



पंजी. सं० - 258

ॐ नमो भगवते परशुरामाय

हमारा उद्देश्य - समाज सेवा-सुधार-सद्भाव-संगठन एवं सहयोग



**अखिल भारतवर्षीय ब्राह्मण महासभा (पंजी०)**

**“ दिल्ली प्रदेश ”**

**प्रदेश कार्यकारिणी आपका  
हार्दिक अभिनन्दन  
करती है।**

# CONGRATULATIONS



बहुत बहुत बधाई  
एवं अनंत  
शुभकामनाएं...



सभी सदस्यों  
को धन्यवाद और  
आभार .....

# अखिल भारतवर्षीय ब्राह्मण महासभा (पंजी०) दिल्ली प्रदेश



**पं. राहुल पाण्डेय**

अध्यक्ष रोहताश नगर विधानसभा  
M.: 9968511128

सप्रेम भेंट

**राहुल पाण्डेय कोचिंग क्लासेस**  
XI<sup>th</sup>, XII<sup>th</sup>, B.Com (P/H), B.A.

220, चन्द्र लोक, मंडोली रोड, शाहदर







आखिल भारतवर्षीय ब्राह्मण महासभा  
“दिल्ली प्रवेश”  
पश्चिमी दिल्ली जिला  
हार्दिक अभि  
करता है।

श्री. पद्मनाभ जी  
EVAY YUVA SANGTHAN (REGD.)  
ब्राह्मण समाज









अखिल भारतवर्षीय ब्राह्मण महामंडळ  
" दिल्ली प्रवेश "  
पश्चिमी दिल्ली जिला  
हार्दिक अभि  
करता हैं।

जय श्री परमेश्वर जी  
DEVAI YUVA SANGTHAN (REGD.)  
ब्राह्मण समाज





























































दिल्ली प्रदेश  
श्रीचामी दिल्ली जिला आपका  
आर्थिक और  
कल्याण

















अखिल भारतवर्षीय ब्राह्मण महासभा (वर्षी.)  
" दिल्ली प्रदेश "  
पश्चिमी दिल्ली जिला आपका







व्यक्ति अभिनंदन  
रता है।









ॐ नमो भगवते परशुरामाय  
हमारा उद्देश्य - समाज सेवा-सुधार-सद्भाव-संगठन एवं सहयोग



# अखिल भारतवर्षीय ब्राह्मण महाराभा (पंजी.)

## “ दिल्ली प्रदेश ”

### पश्चिमी दिल्ली जिला आ

### हार्दिक अभिजन

करता है।

श्रीगुरु जय जगदीश हर, भवनी जय जगदीश हर।  
 प्रणम जनी के सारक, कर्म ने दूर करे।  
 जो ज्ञान प्राप्त करे, दुख विपत्ति सब करे।  
 पाप मित्र गुण के सारक, गुरु ने विनासी।  
 गुण मित्र जीव न दुख ज्ञान ज्ञान विनासी।  
 गुण प्रदान परमात्मा, गुण ज्ञानवादी।  
 पापघना परमात्मा, गुण सब के सारी।  
 गुण कल्याण के सारक, गुण पावन करी।  
 ने दुख सब करी, दुख ज्ञान करी।  
 गुण ही एक जगदीश, सबके सारक।  
 किम किम किमु दुखका गुणको नै सुखी।  
 दीनबन्धु दुखको, गुण वादु नै।  
 ज्ञान सब जगदीश, दान सब ते।  
 शिव विनाश मित्रको, पाप ही दण्ड।  
 तप, धर्म, धर्म सब तेरा, भवकी सब कुछ है तेरा।  
 तेरा गुणको, ज्ञान ही तेरा।  
 बी जगदीश्वर जी की ज्ञानी जो कोई पर करे।  
 ज्ञान विनाश सबकी गुण भवती परे।

सर्लस भावु सर्लस भावु, सर्लस भावु सर्लस भावु।  
 सर्लस भावु सर्लस भावु, सर्लस भावु सर्लस भावु।

सर्लस भावु सर्लस भावु, सर्लस भावु सर्लस भावु।  
 सर्लस भावु सर्लस भावु, सर्लस भावु सर्लस भावु।

श्रीगुरु जय जगदीश हर, भवनी जय जगदीश हर।  
 प्रणम जनी के सारक, कर्म ने दूर करे।  
 जो ज्ञान प्राप्त करे, दुख विपत्ति सब करे।  
 पाप मित्र गुण के सारक, गुरु ने विनासी।  
 गुण मित्र जीव न दुख ज्ञान ज्ञान विनासी।  
 गुण प्रदान परमात्मा, गुण ज्ञानवादी।  
 पापघना परमात्मा, गुण सब के सारी।  
 गुण कल्याण के सारक, गुण पावन करी।  
 ने दुख सब करी, दुख ज्ञान करी।  
 गुण ही एक जगदीश, सबके सारक।  
 किम किम किमु दुखका गुणको नै सुखी।  
 दीनबन्धु दुखको, गुण वादु नै।  
 ज्ञान सब जगदीश, दान सब ते।  
 शिव विनाश मित्रको, पाप ही दण्ड।  
 तप, धर्म, धर्म सब तेरा, भवकी सब कुछ है तेरा।  
 तेरा गुणको, ज्ञान ही तेरा।  
 बी जगदीश्वर जी की ज्ञानी जो कोई पर करे।  
 ज्ञान विनाश सबकी गुण भवती परे।

सर्लस भावु सर्लस भावु, सर्लस भावु सर्लस भावु।  
 सर्लस भावु सर्लस भावु, सर्लस भावु सर्लस भावु।

सर्लस भावु सर्लस भावु, सर्लस भावु सर्लस भावु।  
 सर्लस भावु सर्लस भावु, सर्लस भावु सर्लस भावु।



ॐ नमो भगवते परशुरामाय  
 ११वीं ११-११-२११

हमारा उद्देश्य - समाज सेवा-सुधार-सद्भाव-संगठन एवं सहयोग



**अखिल भारतवर्षीय ब्राह्मण महासभा (पंजी.)**

**“ दिल्ली प्रदेश ”**

**पश्चिम दिल्ली जिला का**

**द्विदिनीय अभिजात**

भारतवर्षीय ब्राह्मण महासभा  
 दिल्ली प्रदेश



**BHUDEVAY YUV**

**ब्राह्मण**



**श्री श्री गणेशाय नमः**

**आरती मनवाच जगदीश जी की**

ओ३म् जय जगदीश हरे, स्वामी जय जगदीश हरे  
 पक्षा जनों के सकट, क्षण में दूर करे  
 जो ध्याये फल पावे, दुख विनो मन का  
 सुख संपत्ति घर आवे, कष्ट मिटै मन का  
 पात पिता तुम मेरे शरण गृह मे किसकी  
 तुम बिन और न दुजा, आरा कल जितानी  
 तुम पुरण परमात्मा, तुम अन्यायी  
 पारब्रह्म परमेश्वर, तुम सब के स्वामी  
 तुम कल्याण के सागर, तुम पावन जल  
 मे मूरख खल कामी, कुपा करी मता  
 तुम ही एक आगेवर, सबको धामपति  
 किस विधि किन्तु दयावत् तुमको मैं कुपति  
 दीनबन्धु दुःखहता, तुम टाकुर मेरे  
 अपने हाथ चटाओ, द्वार पक्षा मेरे  
 विषय विकार मिटाओ, पाप हरो देवा  
 ब्रह्मा भक्ति बडाओ, सन्तान की सेवा  
 तन, मन, धन सब तेरा, स्वामी सब कुछ है तेरा  
 तेरा तुझकी अर्पण, क्या लगै मेरा  
 श्री जगदीश्वर जी की आरती जो कोई नर पावे  
 कहत निवानद स्वामी सुख संपत्ति पावे

संस्कृत पाठ्य ब्रह्मदेव, सतीत वरकन्ये सतीं ब्रह्मदेवम् ।  
 स्वयं व्यासस्यै कोट्यनुम् श्रीं शिवसिं शिव्यु विरसा कर्तुमनुम् ॥

सप्रेम नैट- दैनिक पॉलिटेन एण्ड ट्पार्क लॉक चर्चल  
 विजोद कुमाठ अखणाल सुपुत्र श्री हरिगणकर अखणाल  
 ६-1/116 श्री. शिवराज पार्क, आनखोई, दिल्ली-११

**श्री श्री गणेशाय नमः**

**श्री श्री गणेशाय नमः**

जय जगदीश श्री, शैवा जय जगदीश श्री  
 तुमको विशदित व्याखन, हरि ब्रह्म विरसाही जय जगदीश  
 मान सिद्ध विराजत, टीको मूयमद को  
 उज्ज्वल ले राउ नैरा, सध वदत नीको जय जगदीश  
 कलक टमन कलेवर स्वयम्भर राजे  
 स्वत पुष्य मल भाता, कण्ठ पर भाजे। जय जगदीश  
 केहरि बरतन राजत, उदयन खपन घारी।  
 सुर नर मुनि जय देवान, तिखके दुख हारी। जय जगदीश  
 सावज कुण्डन शोभित, साखाई भांरी।  
 कटिक बन्द टिकाकर, तन राजत ज्योति। जय जगदीश  
 शुभ-विशुभ विदार, भस्मिस्तुर घारी।  
 पूज्य विवाहन बयमा, मिशरिन मयमपरी। जय जगदीश  
 सध-मुण्ड सहारे, शोभित बीज हरे।  
 मधु केतम टोउ मारे, सुर-अपरीम करे। जय जगदीश  
 ब्रह्मणी स्वामी, तुम कनता राजी।  
 आगम-विजम बजाओ, तुम शिव पटराजी। जय जगदीश  
 धौलत वांगिनी गावत, तुम शिव पटराजी। जय जगदीश  
 बाजत ताल मूदंगा, और बाजत मयम। जय जगदीश  
 तुम ही जग मारा, तुम ही हो मरता।  
 भवतन की दुख हरता, सुख संपत्ति करता। जय जगदीश  
 मुज पर अति शोभित, वर-मुद्रा घारी।  
 मनवाचित कल पावत, सेवन नर-बारी। जय जगदीश  
 कंधन चाल विराजत, अजर कपूर वाली।  
 मानकेतु ने राजत, कटिक रख ज्योति। जय जगदीश  
 मां जगदीश जी की आरती, जो कोई नर पावे।  
 कहत निवानद स्वामी, सुख-संपत्ति पावे। जय जगदीश

सप्रेम नैट- दैनिक पॉलिटेन एण्ड ट्पार्क लॉक चर्चल  
 विजोद कुमाठ अखणाल सुपुत्र श्री हरिगणकर अखणाल  
 ६-1/116 श्री. शिवराज पार्क, आनखोई, दिल्ली-११



आखिल भारतव्यापी ब्राह्मण महासभा (पंजी.)

“ दिल्ली प्रदेश ”

पश्चिमी दिल्ली जिला  
हादि

बड़ा भक्ति बड़ा जो, सन्तान की सेवा ॥  
तन, मन, धन सब तेरा, स्वामी सब कुछ है तेरा ॥  
तेरा मुझको अर्पण, क्या लागे मेरा ॥  
श्री जगदीश्वर जी की आरती जो कोई नर पावे ॥  
कहत सियानंद स्वामी सुख संपत्ति पावे ॥  
स्वच्छ चक्रम् इष्टि कुण्डलम्, सरील वस्त्रम् सर्वी महंजम् ॥  
स्वस्व वस्त्रस्यै कौस्तुभम् शीघ्रं भवति शिष्यु विद्वत् पशुजम् ॥  
सप्रेम भेंट- टैक्निक पॉलिटेक्निक एण्ड टयार्क जॉब वर्कर्स  
विनोद कुमार अग्रवाल सुपुत्र श्री हरिश्चंद्र अग्रवाल  
ई-1/11/... मार्क, कांगडोई, दिल्ली-41



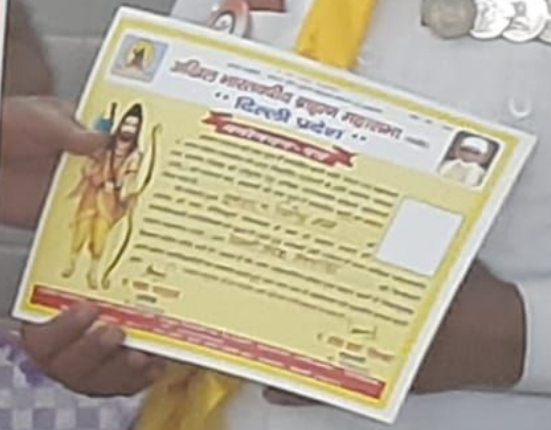






आपका

सप्रेम भेंट:- टैक्निक पॉलिशिंग  
विनोद कुमार अग्रवाल सुपुत्र  
ई-1/116 बी, शिवराम पार्क, न







सर्वज्ञ-सर्वशक्तिमान् सर्वभूतहिते रतः  
सर्वज्ञ-सर्वशक्तिमान् सर्वभूतहिते रतः  
सर्वज्ञ-सर्वशक्तिमान् सर्वभूतहिते रतः

अखिल भारतीय ब्राह्मण महामंडल (पंजी.)  
"दिल्ली प्रदेश"  
पश्चिमी दिल्ली ब्राह्मण समाज का  
हार्दिक आभिनंदन



सर्वज्ञ-सर्वशक्तिमान् सर्वभूतहिते रतः  
सर्वज्ञ-सर्वशक्तिमान् सर्वभूतहिते रतः  
सर्वज्ञ-सर्वशक्तिमान् सर्वभूतहिते रतः

सर्वज्ञ-सर्वशक्तिमान् सर्वभूतहिते रतः  
सर्वज्ञ-सर्वशक्तिमान् सर्वभूतहिते रतः  
सर्वज्ञ-सर्वशक्तिमान् सर्वभूतहिते रतः



श्री गणेशाय नमः  
ब्राह्मण महासभा (पंजाब)  
“ दिल्ली प्रवेश ”  
शिवमी दिल्ली जिला 3  
अभिजात  
रता



श्री श्री ब्राह्मण महासभा (पंजी.)

दिल्ली प्रदेश

आप

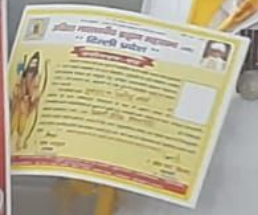
आ

किरा विधि मिलूँ दयामय तुमको मैं कुम्पति ॥  
 दीनबन्धु दुःखहर्ता, तुम ठाकुर मेरे ॥  
 अपने हाथ उठाओ, द्वार पड़ा तेरे ॥  
 विषय विकार मिटाओ, पाप हरो देवा ॥  
 श्रद्धा भक्ति बढ़ाओ, सन्तान की सेवा ॥  
 तन, मन, धन सब तेरा, स्वामी सब कुछ है तेरा ॥  
 तेरा तुझको अर्पण, क्या लागे मेरा ॥  
 श्री जगदीश्वर जी की आरती जो कोई नर गावे ॥  
 कहत शिवानंद स्वामी सुख संपत्ति पावे ॥  
 सहाय्य पत्रम् शक्रीट कुण्डलम्, सपीत वस्त्रम् शर्सी लोहशणम् ॥  
 सहार वक्रासयले कोस्तुभम् श्रीय नमामि विष्णु शिस्सा चतुर्भुजम् ॥

सप्रेम भेंट:- दैविक पॉलिशिंग एण्ड स्पार्क जॉब वर्क्स  
 विनोद कुमार अग्रवाल सुपुत्र श्री हरिशंकर अग्रवाल  
 ई-1/116 बी, शिवरात्रि पार्क, नांगलोई, दिल्ली-41

पूछ विलोचन नयना, निशदिन मटन  
 घण्ट-मुण्ड संहारे, शोणित धीज हरे।  
 मधु कैटम दोउ नारे, सुर-भयहीन करे  
 ब्रह्मणी रुद्राणी, तुम कमला रानी।  
 आगम-निगम बखानी, तुम शिव पट्ट  
 चौसठ योगिनी गावत, नृत्य करत भैरो।  
 बाजत ताल मृदंगा, और बाजत डमरु।।  
 तुम ही जग माता, तुम ही हो भरता।  
 भक्तन की दुख हरता, सुख सम्पति करत  
 भुजा चार अति शोभित, वर-मुद्रा धारी।  
 मनवांछित फल पावत, संबत नर-नारी।।  
 कंधन बाल विराजत, अजर कपूर बाली।  
 मालकेतु में राजत, कोटि रतन ज्योति।।  
 नां अम्बे जी की आरती, जो कोई नर गावे।  
 कहत शिवानन्द स्वामी, सुख-सम्पति पावे।।

सप्रेम भेंट:- दैविक पॉलिशिंग एण्ड स्पार्क  
 विनोद कुमार अग्रवाल सुपुत्र श्री हरिशंकर  
 ई-1/116 बी, शिवरात्रि पार्क, नांगलोई, दिल्ली



रता है।















शुद्धि की आवश्यकता की  
शुद्धि की भी आवश्यकता

शुद्धि की आवश्यकता की  
शुद्धि की भी आवश्यकता







हमारा उद्देश्य: समाज सेवा- सुधार -सदभाव-संगठन एवं सहयोग



संस्था रजि.

सं.258

अखिल भारतवर्षीय ब्राह्मण महासभा (पंजी.)  
दिल्ली प्रदेश

## जिला पश्चिमी दिल्ली कार्याकारिणी गठन

आयोजन का खर्च

जिलाध्यक्ष पं.सुभाष पाराशर जी  
ने आयोजन में हुए लगभग 8-10  
हजार खर्च को भगवान परशुराम  
जी के आशीर्वाद रूप में स्वयं  
अकेले ने वहन किया है।

इस सराहनीय योगदान के लिए  
पं.सुभाष पाराशर जी का बहुत  
बहुत धन्यवाद और आभार.....



पं.महेश भारद्वाज  
9313334828  
दिल्ली प्रदेश  
अध्यक्ष



इंजी. अशोक शर्मा  
9810412627  
दिल्ली प्रदेश  
संगठन मंत्री

।।।।। जय श्री परशुराम ।।।।।

हमारा उद्देश्य: समाज सेवा- सुधार -सदभाव-संगठन एवं सहयोग



संस्था रजि.

सं.258

अखिल भारतवर्षीय ब्राह्मण महासभा (पंजी.)  
दिल्ली प्रदेश

**पं. सुभाष पाराशर**

जिलाध्यक्ष - पश्चिमी दिल्ली

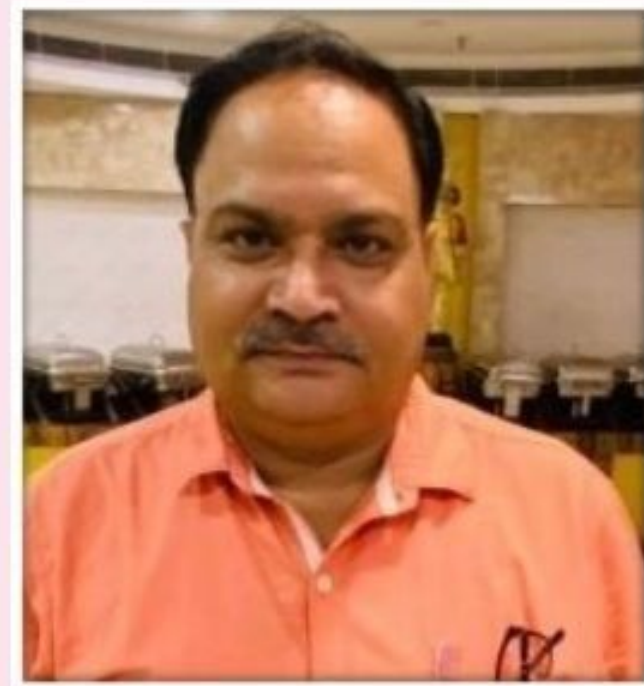
पाराशर कार्गो मूवर्स

प्रधान ब्राह्मण समाज

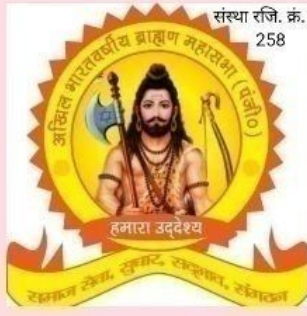
शिव राम पार्क

नांगलोई, दिल्ली

**9810937735**



।।।।। जय श्री परशुराम ।।।।।



।।।। जय श्री परशुराम ।।।।

ABBM

WWW.ABBM258.COM

## संगठन विस्तार

जिला कार्याकारिणी गठन आयोजन  
सदस्यों की उपस्थिति लगभग 80-90

आज रविवार 24 अक्टूबर 2021 के आयोजन में  
किये गए बेहतरीन इंतजाम के लिए .....

जिलाध्यक्ष पं.सुभाष पाराशर जी और  
जिला पश्चिमी दिल्ली कार्याकारिणी के  
सभी  
पदाधिकारियों का

धन्यवाद और आभार .....

आज के सफल आयोजन के लिए  
संगठन के सभी पदाधिकारियों को

बहुत बहुत बधाई एवं

हार्दिक शुभकामनाएं.....

भवदीय: राष्ट्रीय एवं दिल्ली प्रदेश  
कार्याकारिणी